हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, सोमवार 9 मार्च 2026

11 सड़क निर्माण के एक माह बाद भी नहीं हो पाया रास्ता सुचारू

12 100 मीटर दौड़ में लक्षिता व सुनिति ने पाया पहला स्थान

खबर संक्षेप

बार काउंसिल चुनाव को लेकर मतदान पार्टियों का प्रशिक्षण आज

झज्जर। पंजाब एवं हरियाणा बार काउंसिल के चुनाव-2026 के सफल एवं सुचारू संचालन को लेकर जिला प्रशासन द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने बताया कि पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार बार काउंसिल के चुनाव 18 मार्च को करवाए जाएंगे, जिनका संचालन जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सोमवार तथा वीरवार को सुबह 11 बजे से संवाद भवन में मतदान पार्टियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

जिला व उपमंडल स्तर पर आज लगेंगे समाधान शिविर

झज्जर। सोमवार को जनता की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडलों में समाधान शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक लगाए जाएंगे। जहां नागरिकों की शिकायतों का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। प्रवक्ता ने बताया कि जिला स्तरीय समाधान शिविर का आयोजन लघु सचिवालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में किया जाएगा। जिसकी अध्यक्षता डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल और उपमंडल स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में संबंधित एसडीएम लोगों की शिकायतें और समस्याएं सुनेंगे।

जेएलएन नहर में मिला युवक का शव

झज्जर। क्षेत्र के गांव गौच्छी से निकलती जेएलएन में एक युवक का शव मिला है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तथा ग्रामीणों की सहायता से शव को पानी से बाहर निकवाकर उसे पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल भिजवाया। मामले के जांच अधिकारी श्रीकांत ने बताया कि शव गली-सड़ी अवस्था में होने के कारण उसकी पहचान नहीं हो पाई। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्ट्या मृतक की उम्र 38 से 40 वर्ष के बीच आंकी जा रही है।

तेजी से बढ़ रहा पारा दिन में 35 डिग्री पहुंचा

बहादुरगढ़। मार्च माह में तापमान तेजी से बढ़ता जा रहा है। रविवार को अधिकतम तापमान 35 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 19 डिग्री रहा। सुबह व शाम छोड़ दें तो दोपहर के वक्त धूप तेज गर्मी का अहसास करा रही है। बीते सप्ताहभर में एकाएक तेजी से गर्मी में बढ़ोतरी हुई है। बदलते मौसम का असर लोगों की दिनचर्या पर साफ देखने को मिला है। लोग हल्के कपड़े पहनने लगे हैं। पार्कों में भी अब सुबह, शाम के वक्त रौनक नजर आने लगी है। हालांकि अभी रात को कुछ ठंड महसूस हो रही है। आगामी दिनों में तापमान लगातार बढ़ेगा।

दिल्ली रोहतक रोड पर ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट हो रही तैयार

पंजाबी बाग से टीकरी तक 7 फ्लाईओवर और सिक्स लेनिंग से दूर होगा ट्रैफिक जाम

टीकरी बॉर्डर से मुंडका, नांगलोई और पीरागढ़ी तक कहीं बड़े-बड़े गड्ढे तो कहीं जलभराव में वाहन फंस जाते हैं

रवींद्र राठी ▶▶ बहादुरगढ़

टीकरी और मुंडका के रास्ते पीरागढ़ी तक जाना वाहन चालकों के लिए किसी सजा से कम नहीं है। हालांकि बीते साल दिल्ली सरकार ने इस महत्वपूर्ण सड़क को एनएचएआई के हवाले कर दिया था। अब भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने पंजाबी बाग से टिकरी तक इस हिस्से में 7 फ्लाईओवर बनाने तथा फोरलेन सड़क को सिक्स लेन अपग्रेड करने की योजना बनाई है। इसके अनुरूप विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) अगले 6 माह में तैयार होने की संभावना है।

बता दें कि बहादुरगढ़ से दिल्ली-रोहतक रोड पर टीकरी व मुंडका से होते हुए पीरागढ़ी तक आना-जाना बीते 3 सालों से परेशानी का सबब बना हुआ है। इस सड़क की हालत सुधारने में दिल्ली सरकार विफल रही है। बहादुरगढ़ से दिल्ली में एंट्री करते ही टीकरी बॉर्डर से मुंडका, नांगलोई और पीरागढ़ी तक कहीं बड़े-बड़े गड्ढे तो कहीं जलभराव में वाहन फंस जाते हैं। इससे वाहन मालिकों को आर्थिक और मानसिक परेशानी उठानी पड़ती है। दिल्ली के पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा के प्रयासों के बाद दिल्ली-रोहतक रोड के पीरागढ़ी से टीकरी बॉर्डर तक के हिस्से को एनएचएआई को सौंपने की औपचारिकताएं मार्च-2025 में शुरू हुई। गत वर्ष अक्टूबर महीने तक दिल्ली में रोहतक रोड के रख-रखाव की जिम्मेदारी दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग के पास ही थी। लेकिन नवंबर महीने में पंजाबी बाग अंडरपास से टीकरी बॉर्डर तक साढ़े 18 किलोमीटर लंबे हिस्से को एनएचएआई को सौंप दिया गया है। वर्तमान में यह सड़क मार्ग फोरलेन है, लेकिन अब इस सड़क को सिक्स लेन में अपग्रेड किया जाएगा। जानकारी के अनुसार एनएचएआई ने इस सड़क मार्ग के एक हिस्से को एलिवेटेड बनाने पर भी विचार किया था, लेकिन मेट्रो की ग्रीन लाइन इसमें बाधा बन गई। मेट्रो लाइन सड़क के सेंट्रल वर्ज पर होने के कारण क्रॉसिंग को सिग्नल फ्री करने के लिए फ्लाईओवर निर्माण ही विकल्प हैं। इसीलिए इस स्ट्रैच में कुल 7 फ्लाईओवर बनाए जाएंगे।

नवंबर में एनएचएआई के हवाले की थी 18.5 किलोमीटर लंबी सड़क

बहादुरगढ़। टीकरी बॉर्डर के निकट रोहतक रोड पर भरा नाले का पानी व संकरे रास्ते से निकलते वाहन।

जल निकासी को बना रहे 9 किमी लंबे नाले

दिल्ली लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा जलनिकासी व्यवस्था को ठीक करने और सड़क की मरम्मत के लिए 167 करोड़ रुपये की बड़ी परियोजना पर काम किया जा रहा है। करीब 50 प्रतिशत काम हो चुका है। इसके तहत सड़क के दोनों किनारों पर 9 किलोमीटर लंबे नए नाले बनाए जा रहे हैं। नाला निर्माण दो भागों में किया जा रहा है। अधिकारियों का दावा है कि नई जल निकासी व्यवस्था इस समस्या का दीर्घकालिक समाधान है।

लाखों यात्रियों को मिलेगी राहत : सेतिया

उद्योगपति कपिल सेतिया ने बताया कि बहादुरगढ़ से टीकरी होते हुए पीरागढ़ी तक रोजाना लाखों वाहन चालक आते हैं। एनएचएआई द्वारा इससे सिक्स लेन करने तथा फ्लाईओवर बनाने के बाद दिल्ली और हरियाणा को जोड़ने वाले रोहतक रोड पर यात्रा करने वाले लोगों को ट्रैफिक की परेशानी से बड़ी राहत मिलेगी।

ड्रेनेज सिस्टम किया जा रहा बेहतर : वर्मा

मुंडका निवासी अशोक वर्मा ने बताया कि नई जलनिकासी व्यवस्था से यहां बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी। आबादी के अनुसार नालियों की चौड़ाई और गहराई बढ़ाई जा रही है। ड्रेनेज सिस्टम के बेहतर होने से नांगलोई, मुंडका, घेवरा और टीकरी इलाकों की कई कॉलोनियों को बड़ा फायदा होगा।

लडरावण में 5 गलियों का निर्माण शुरू

- विधायक राजेश जून ने कहा, विधानसभा में बहादुरगढ़ की 17 मांगें रखीं, जल्द पूरी होंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। लडरावण गांव में गलियों का निर्माण कार्य शुरू करवाते बहादुरगढ़ के विधायक राजेश जून। फोटो : हरिभूमि

विधायक राजेश जून ने रविवार को गांव लडरावण में विधायक आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत 5 नई गलियों के निर्माण कार्य का नारियल फोड़कर विधिवत शुभारंभ किया। ग्रामीणों ने उनका जोरदार स्वागत किया। जून ने मौके पर मौजूद ठेकेदार को निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने की हिदायत दी।

ग्रामीणों से बातचीत करते हुए विधायक राजेश जून ने बताया कि पिछले तीन विधानसभा सत्रों के दौरान उन्होंने बहादुरगढ़ की 42 मांगें विधानसभा में उठाई हैं, जिनमें से 29 मांगों को सरकार द्वारा मंजूरी मिल चुकी है और कई पर काम भी शुरू हो चुका है। शेष मांगें भी जल्द पूरी होने की उम्मीद है। राजेश जून ने बताया कि हाल ही में संपन्न विधानसभा सत्र में भी बहादुरगढ़ क्षेत्र के विकास और जनसमस्याओं से जुड़ी 17 नई मांगें रखी गई हैं। सीएम नायब सिंह सैनी ने इन मांगों को लेकर सकारात्मक आश्वासन दिया है और जल्द ही इन पर कार्य शुरू किया जाएगा।

विधायक ने कहा कि बहादुरगढ़ के सरकारी अस्पताल में मरीजों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए आईसीयू कैथ लैब और सीटी स्कैन जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व और सहयोग से बहादुरगढ़ में पिछले डेढ़ वर्ष में तेजी से विकास कार्य हुए हैं। भविष्य में क्षेत्र की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करवाया जाएगा।

सावधान रहें : पेड़ में फंगल इंफेक्शन की वजह से निकलता है सफेद तरल, जांच जरूरी

नीम से झरने लगा दूध जैसा झागयुक्त तरल पदार्थ, चमत्कार की आस में उमड़ी भीड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

शहर के रेवाड़ी रोड स्थित गोगा पीर की समाधि के नजदीक स्थित एक नीम के पेड़ से रविवार को अचानक दूध जैसा झागयुक्त तरल पदार्थ झरने लगा। यह नजारा देखकर आसपास के लोग हैरान रह गए और देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह के समय पेड़ के तने से सफेद झागदार तरल धीरे-धीरे बहता हुआ दिखाई दिया।

इसकी सूचना आसपास के लोगों और राहगीरों को लगी तो कई लोग इसे देखने के लिए रुक गए। जगबीर पंघाल, अमन कोडान, हरीश, कृष्ण और छोटू सहित कई लोग पेड़ के नीचे खड़े होकर इस अनोखी घटना को देखने लगे। लोगों में इसे लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होती रहीं। कुछ लोग इसे प्राकृतिक घटना मान रहे थे तो कुछ लोग इसे चमत्कार से जोड़कर भी देख रहे थे। इसके अलावा काफी संख्या में बर्तनों और बोतलों में डाल कर भी इस तरल पदार्थ को ले गए। लोगों का कहना है कि इससे पहले इस स्थान पर ऐसा दृश्य कभी देखने को नहीं मिला। हालांकि जानकारों का कहना है कि कई बार पेड़ों में फंगल संक्रमण, तने में दरार या अन्य प्राकृतिक कारणों से इस प्रकार का तरल निकल सकता है। इसके बावजूद यह घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

झज्जर। नीम के पेड़ से झरते तरल पदार्थ को देखते हुए राहगीर।

पावर हाउस परिसर में हो चुकी है इस प्रकार की घटना

बता दें कि कई वर्षों पहले भी इस प्रकार नीम से सफेद तरल पदार्थ झरने की घटना सामने आ चुकी है। उस समय शहर के ओल्ड 33 केवी पावर स्टेशन परिसर स्थित एक नीम के पेड़ से इसी प्रकार दूध जैसी धारा झरने लगी थी। उस दौरान हैरत की बात यह थी कि वहां लोग न केवल इसे चमत्कार समझ करक देखने के लिए दूर-दूर आते थे बल्कि इस तरल को दिव्य औषधि मान कर इसे टपका-टपका एकत्रित करने के लिए भी लोगों की भीड़ सुबह से शाम तक यहां बनी रहती थी। उस दौरान यह सिलसिला करीब एक माह तक चला था।

फंदे पर लटका मिला मोबाइल शॉप संचालक युवक का शव

बहादुरगढ़। लाइनपार क्षेत्र में एक युवक का शव फंदे पर लटका हुआ मिला। युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने की बात सामने आई है। असल वजह अभी स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू करा दी है। मृतक की पहचान करीब 18 वर्षीय सुजीत के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, प्रवासी मूल का सुजीत यहां परिवार सहित लाइनपार में रहता था और मोबाइल की दुकान चलाता था। शनिवार की रात को खाना खाकर सोया था लेकिन सुबह उठकर बाहर नहीं आया। जब परिजन उसे जगाने गए तो वह फंदे पर लटका हुआ था। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शव को नागरिक अस्पताल में लाया गया। परिजनों के बयान के बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कराई। युवक द्वारा किन कारणों के चलते यह कदम उठाया, ये अभी स्पष्ट नहीं है।

थार में हेरोइन बेचने आए दो आरोपी गिरफ्तार

बहादुरगढ़। एचएल सिटी की सर्विस लाइन पर पुलिस ने थार में सवार दो युवकों को हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ सदर थाने में केस दर्ज किया गया है। सीआईए झज्जर की टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। दरअसल, पुलिस को सूचना थी कि थार में सवार दो युवक नशीला पदार्थ बेचने एचएल सिटी के सर्विस रोड पर आए हैं। इस पर टीम हरकत में आई और आरोपियों को काबू किया। तलाशी के दौरान गाड़ी के डैशबोर्ड से 10.9 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। आरोपियों की पहचान अनिल व विपिन के रूप में हुई है। अनिल गुभाना तो विपिन बहादुरगढ़ का रहने वाला है।

दो सरपंचों व उनके साथियों पर ठेके पर तोड़फोड़ व हमले में केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

दुल्हेंडी की शाम को बामड़ोला के शराब ठेके पर हुए झगड़े के मामले में अब दूसरा पक्ष सामने आया है। बादली निवासी अंकित ने कहा कि वह याकूबपुर-दादरी तोए जोन में शराब ठेकों का लाइसेंसी धारक है। गांव बामड़ोली में उनके ठेके से चार मार्च को सेल्समैन ने फोन करके सूचना दी कि कुछ लोग शराब पीकर ठेके में तोड़फोड़ कर रहे हैं। मैंने जान का खतरा महसूस करते हुए खुद न आकर अपने कर्मचारी विकास, राकेश, सचिन व दीपक को मौके पर भेज दिया। उन लोगों ने मेरे कर्मचारियों पर हमला कर दिया। दीपक तो बच गया लेकिन तीनों के साथ बुरी तरह से मारपीट की गई। हथियार से गोली मारने की कोशिश की। फायर करते हुए की फुटेज सीसीटीवी में है। आरोपियों में पेलपा का सरपंच संदीप, उसका भाई मंदी, बामड़ोला का सरपंच अनुराग, दीपक बामड़ोला सहित कई अज्ञात शामिल थे। हमारा कैमरा डंडा मारकर तोड़ दिया गया। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

महिलाओं को मकान में घुसकर पीटा, दुष्कर्म का प्रयास करने पर केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

शहर में दिन दहाड़े एक मकान में घुसकर महिलाओं के साथ छेड़छाड़ करने, दुष्कर्म का प्रयास करने, गर्भवती महिला के पेट पर लात मारने व लूटपाट करने का मामला सामने आया है। वारदात दुल्हेंडी के दिन हुई थी लेकिन शिकायत के आधार पर अब लाइनपार थाना पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

- सात माह की गर्भवती के पेट पर लात मारी, युवक के दांत तोड़े

पुलिस को दी शिकायत में गाजियाबाद की महिला ने कहा कि बहादुरगढ़ के छोटूराग नगर में उसकी बड़ी ननद रहती है। चार मार्च को दुल्हेंडी के दिन हम यहां आए हुए थे। दोपहर को मैं किचन में खाना बना रही थी। इसी दौरान अचानक दर्जनभर लोग मकान के अंदर घुस आए। उनकी नीयत गलत थी और रंग लगाने के बहाने मेरे साथ जबरदस्ती की। दुष्कर्म का प्रयास किया गया। मेरे सिर पर डंडा मारा गया। शोर सुनकर बड़ी ननद आई तो उसके साथ भी जबरदस्ती और मारपीट की गई। फिर सात माह की गर्भवती छोटी ननद आई तो उसके पेट में लात मारी गई। बाल पकड़कर उसका सिर जमीन में पटका गया।

जब हमारे परिवार के पुरुष सदस्य रामू, भगवानदीन व आजाद आए तो उनके साथ भी मारपीट की गई। आजाद के तो दांत तक तोड़ दिए गए। इस दौरान उन्होंने मेरे दो फोन तथा मकान से 20 हजार रुपये निकाल लिए। इतना ही नहीं, भगवानदीन की नई बाइक भी तोड़ दी। डायल 112 पर कॉल की तो पुलिस से संपर्क नहीं हो सका। सरकारी अस्पताल से मुझे व आजाद को पीजीआई रेफर किया गया। उधर, लाइनपार थाना पुलिस ने मारपीट, दुष्कर्म के प्रयास, छेड़छाड़, धमकी देने सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया है। चार आरोपियों की पहचान भी हुई है। थाना प्रभारी धर्मेंद्र सिंह का कहना है कि जांच की जा रही है। जल्द ही मामले को सुलझाया जाएगा।

सार्थक सेवा समिति ने प्रशिक्षण शिविर का किया आयोजन

पुलिस ने महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। युवतियों को आत्मरक्षा के गुर सिखाती महिला पुलिसकर्मी व एसआई सरला देवी को स्मृति चिह्न देती समिति सदस्य।

सार्थक सेवा समिति ने सेक्टर-9ए के कम्युनिटी सेंटर में महिलाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। सब इंस्पेक्टर सरला देवी की अगुवाई में महिला पुलिस टीम ने शिविर में युवतियों व महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए। कई जरूरतमंद महिलाओं को स्वावलंबी बनाते हुए उन्हें सिलाई मशीनें भेंट की गई।

कार्यक्रम में वैश्य कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. राजवंती शर्मा व अशोका इंटरनेशनल स्कूल की निदेशिका विजयलक्ष्मी ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि भारत में प्रत्येक महिला के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है। यह शारीरिक फिटनेस, मानसिक और भावनात्मक सशक्तिकरण, परिस्थितिजन्य जागरूकता और वास्तविक जीवन की स्थितियों के लिए व्यावहारिक कौशल प्रदान करता है। समिति अध्यक्ष नफे सिंह सार्थक ने सभी को विश्व महिला दिवस की बधाई दी। उन्होंने अपनी स्वरचित कविताओं से सभी को जीवन में सार्थकता की राह पर चलने के लिए प्रेरित किया। साइबर अपराध के विषय में चर्चा की और इससे बचने के उपाय समझाए। विद्यादान महादान ट्रस्ट के अजय ग्रेवाल और जगबीर ग्रेवाल का भी कार्यक्रम में स्वागत किया गया। अतिथियों ने निस्वार्थ भाव से किए गए कार्यों के लिए सार्थक परिवार की सराहना की। साथ ही कहा कि सही प्रशिक्षण कार्यक्रम चुनकर और आम चिंताओं को दूर करके महिलाएं अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकती हैं और स्वयं को सशक्त बना सकती हैं।

यूपीएससी में मानसी को मिली 852रैंक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

गांव जसौर खेड़ी निवासी मानसी को यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा में 852वीं रैंक प्राप्त हुई है। मानसी ने 2015 में गोल्डन वैली स्कूल से 10वीं की परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की थी। जबकि बहादुरगढ़ के बीएसएम सीनियर सेकेंडरी स्कूल से वर्ष 2017 में विज्ञान संकाय से 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। स्कूल निदेशक जितेंद्र लाठर व कुसुम लाठर के अनुसार मानसी शुरू से ही मेहनती और प्रतिभाशाली छात्रा रही है। उन्होंने मानसी को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मानसी के पिता वीरेंद्र कुमार के अनुसार उसकी मेहनत तथा समर्पण सभी के लिए मिसाल है। मानसी ने कहा कि परिवार के सहयोग, संस्कार और प्रेरणा के कारण ही उसने यह मुकाम हासिल किया है।

जो शिक्षा प्रणाली लड़के- लड़कियों को सामाजिक बुराई या अन्याय के खिलाफ लड़ना नहीं सिखाती तो उस शिक्षा में जरूर कोई न कोई बुनियादी खराबी है।

-मुंशी प्रेमचंद

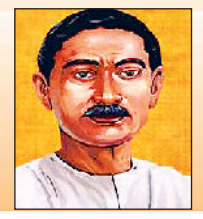

हम गिनती के पांच लोग ही मेट्रो स्टेशन के बाहर सार्वजनिक वाहन का इंतज़ार कर रहे थे। लगातार बढ़ती धुंध में दृश्यता ज़ीरो के आसपास थी। वहां बिल्कुल अकेले खड़े रहने की कल्पना बहुत भयानक होती, इसीलिए लोगों की उपस्थिति से मुझे कुछ तसल्ली मिल रही थी। मगर जितने भी लोग वहां थे, उनका पुरुष होना डरा रहा था।

कहानी

वंदना यादव

मीडिल मैन

वह सर्दियों की रात थी। मोबाइल में दिख रहे समय के अनुसार वक़्त देर शाम से आगे बढ़ कर पहले पहर की रात में ढल चुका था। मैं घर पहुंचने की बेचैनी में बार-बार समय देख रही थी। पन्द्रह मिनट पहले घड़ी में दस बज गए थे। समय अब भी लगातार आगे बढ़ता जा रहा था। महानगर की रोशनियों से ज़रा दूर होते ही डरावने अंधेरे घेरने लगते हैं। उस दिन अंधेरा पूरी दहशत के साथ मेरे आस-पास फैलता हुआ महसूस हुआ। रात साढ़े दस बजे के करीब मैं अपनी नियमित दिनचर्या से तीन की घंटे की देरी से मेट्रो से उतरी। गहराते कोहरे में सब सवारियों में अकेली महिला होने के कारण मैं कुछ ज्यादा ही आत्मविश्वास दिखा रही थी।

मेरे आगे-पीछे वाले मेट्रो के किसी कोच से एक बेफिक्र सा युवा भी उतरा। हम गिनती के पांच लोग ही मेट्रो स्टेशन के बाहर सार्वजनिक वाहन का इंतज़ार कर रहे थे। लगातार बढ़ती धुंध में दृश्यता ज़ीरो के आसपास थी। उस समय मंज़र कुछ अलग तरह का था। वहां बिल्कुल अकेले खड़े रहने की कल्पना बहुत भयानक होती इसीलिए लोगों की उपस्थिति से मुझे कुछ तसल्ली मिल रही थी। मगर जितने भी लोग वहां थे, उनका पुरूष होना डरा रहा था। सर्दी पूरे चरम पर थी इसीलिए इस समय वहां कोई ऑटो नहीं था। मेट्रो स्टेशन के बाहर मौजूद सभी पांच लोगों ने एक-दो बार संशय भरी नज़रों से एक-दूसरे को देखा। इसी दौरान वह बेफिक्र सा युवा अचानक मेरे पास आ कर खड़ा हो गया। बिना कुछ बोले, वह मेरे साथ खड़ा रहा। कानों पर मोटे हैडफोन के आकार का ठंडक से बचने का इंतजाम लगाए वह कोई गीत गुनगुना रहा था। उसके गीत की धुन इससे पहले मैंने कभी नहीं सुनी थी।

सब सवारियां किसी वाहन का इंतज़ार कर रही थी कि उसी समय दूर से एक ऑटो रिक्शा की आवाज़ अपनी ओर आती सुनाई दी। कुछ ही पलों में कोहरे के बीच से एक मद्दम से जलते बल्ब को अपनी ओर आते हुए पाया। ऑटो ठीक से रुका भी नहीं था कि छः लोगों की सवारी में चार लोग हड़बड़ी के साथ चढ़े, मानो देरी होने पर सीट नहीं मिलेगी। ऑटो रिक्शा के रुकने पर जब मैं बैठने लगी, 'प्लीज सिट' उस बेफिक्र से युवा ने अपने साथ वाली सीट की ओर संकेत करते हुए कहा। पैंतालीस वर्षों से यहां रहते हुए मैं इस शहर को कुछ-कुछ समझने लगी हूं। कैंडल मार्च करने वाला यह शहर अपने आसपास की महिलाओं की सुरक्षा से बेपरवाह रहता है। उस दिन भी यही हुआ।

दो सवारियों को उतारने के बाद उसी दिशा में मेरा घर था, मगर एक प्रोढ़ उम्र वाले साथी सवार ने चालक को बाध्य कर दिया दूसरी दिशा के अपने पते पर चलने के लिए। कहने-सुनने का कोई अर्थ नहीं था, इसीलिए मैं चुप रही। इसके बावजूद मेरे चेहरे पर परेशानी फैल गई। मेरी विवशता देख उस बेफिक्र युवा की आंखों में फिक्र के बादल उमड़ आए।

'मैम, आपको एड्रस पर ड्रॉप करके घर जाएंगे।' अनायास ही उसने कहा।

'मैं अपने आप चली जाऊंगी। आप अपना एड्रेस बता दो, जिसका घर पहले आएगा, रिक्शा उधर ही पहले जाएगा।'

'मैम, आप मेरा मम्मा जैसा हैं। मैं ऐसा रात में मेरी मम्मा को अकेला नहीं छोड़ेंगे।' इस बार मैंने उसके चेहरे को गौर से देखा, वह भारतीय नहीं था।

'तुम कहां से हो?'

'म्यांमार से मैम।'

'यहां कैसे आए?'

'काम से मैम।' उसके बोलने से लगा कि वह कहना चाहता था, मेरी उम्र से अंदाज़ लगा लो, यह काम करने की उम्र है, वही करने आया हूं।

'क्या करते हो?'

'अबी काम सीख रहा हे।' सड़क पर आती-जाती स्ट्रीट लाइट की रोशनी में मैंने उसकी आंखें देखीं, छोटी-छोटी सी, मगर ज़िंदगी से लबरेज़ आंखें।

'मेरा अंकल एडमिट हे यहां के हॉस्पिटल में।' उसने बताया।

'क्या हुआ उन्हें?'

'हार्ट का प्रोब्लम हे मैम। सर्जरी करना हे। ट्रांसप्लांट करेगा दोक्तर।' भाषाई भेद के बावजूद वह सही तरह से अपनी बात समझाना सीख गया था।

'कौन से हॉस्पिटल में हैं?' उसने जो नाम बताया उससे मेरी उत्सुकता बढ़ गई।

'तुम म्यांमार से सीधे यहां कैसे पहुंचे? इंटरनेट पर सर्च किया था, इस हॉस्पिटल के बारे में या किसी ने यहां भेजा है?' मैंने फिर सवाल किया।

'यस मैम, मेरा कंट्री से सब इंडिया आते हें इलाज के लिए।'

'क्या तुम्हें मेडिकल टूरिज्म के बारे में मालूम है?'

'यस।' उसने पूरे आत्मविश्वास के साथ जवाब दिया।

'तुम्हें पक्का पता है ना कि तुम्हारे अंकल को इसी इलाज की ज़रूरत है, कहीं दोनों देशों के लोग मिलकर तुम्हें बेवकूफ ना बना रहे हों।'

'अमारे कंट्री में पहले चेक करते हे। वो रेफर करता हे, तब इंडिया आते हे।' उसने अपनी ओर से स्थिति की तस्वीर खींची। रिक्शा इस समय भी मेरे घर की विपरीत दिशा में दौड़ रहा था।

'मैम, आप कोई जॉब करते हे?' यह पूछते हुए उसकी आवाज़ में झिझक नहीं थी।

'क्यों?' महानगरीय लोग सामने घटित हो रही घटना को नज़र अंदाज़ करने और सवाल के बदले सवाल पूछने के आदी होते हैं। अब मैं भी महानगर हो गई हूं, सो बिना जांच पड़ताल किए, कुछ भी कैसे बता देती!

'आपको पहले नहीं देका। मे इसी टाइम पर आता हे कई बार।' उसने घड़ी देखते हुए कहा।

'तुम कब से हो यहां?'

'छे महीना से।'

'सर्जरी हो गई तुम्हारे अंकल की?'

'हो गए।'

'तुम वापस कब जाओगे?' इस बार ऑटो मेरे घर की दिशा में जा रहा था।

'मेरा एक ओर अंकल का सर्जरी होने हे। ये लोग रिटर्न जा रहे हे, मैं यहीं रहेगा।'

'ये तुम्हारे अंकल हैं या तुम यही बिजनेस करते हो?' इस बार का वार, लुहार के हथौड़े वाला था।

'ये अंकल हे, पर अब में यही रहेगा और काम सीकेगा।'

'क्या काम सीखने वाले हो?' मैंने पूछा।

'मिडिल मैन! में मिडिल मैन बनेगा।' उसने पूरे यक़ीन के साथ कहा।

शहरी संस्कृति बेदिल नहीं होती। जो अपना घर पीछे छोड़ कर अकेली महिला को उसके घर तक छोड़ने आए, उससे नंबर शेयर ना करें, यह नहीं हो सकता। मैं कुछ दिन थोड़ी सतर्क रही कि शायद वह बेवजह संदेश भेजेगा या फोन करेगा, मगर ऐसा नहीं हुआ। धीरे-धीरे यह किस्सा मेरी याददाश्त में रहा, मगर जीवन से ख़त्म हो गया। कोरोना के कारण बने जटिल हालात में जीवन घरों में क़ैद हो गया था। ऐसे में एक दिन अन्तरराष्ट्रीय अनजान नंबर से मुझे व्हाट्सअप संदेश मिला।

'यह मीडिल मैन क्या होता है?'

'देको, अमरे मीडिल मैन और आपके देश वाले मीडिल मैन ने अमको ऑप्शन दिया कि इस ट्रीटमेंट के लिए इंडिया के कौनसे हॉस्पिटल में ईलाज करवाना हें। एक्चूली बताया कि ये वाले हॉस्पिटल टीक हे, तो अम यहां आया।' उसने मुझे समझाया।

'इसमें तुम क्या सीखोगे?'

'मैम, मेरे कंट्री का मैं सब कुच जानते हे। यहां रह कर आपके देश का सीक रहा हे। थोडा टाइम में देकना मैम, में सब सीक जाएगा... खूब रूपीज़ कमाएगा मैम। बैक होम, फेमली को भेजेगा वो सारे रूपीज़।'

'कितने लोगों का इलाज़ करवाओगे तुम?'

'मैम, मरना कोन चाहते हे? सब जानते हे कि मरना हे, फिर भी मरना नही चाहते।' यह कहकर वह ठट्ठा कर हंसा और देर तक हंसता रहा।

'मैम, ओल्ड मैन भी लोन पर रूपीज़ ले कर इलाज करवाने दौड़ते हे... कहीं भी दौड़ते हे। अमारा लोग इंडिया आते हे। में लाएगा उनको इंडिया। में मिडिल मैन बनेगा।'

'मीडिल मैन क्या होते हे?' मैंने पूछा।

'मेडीकल डीलर, में वही बनेगा।' उसने कहा।

'तुम्हारी फेमिली में कौन-कौन हैं, रुपये किसे भेजोगे?'

'मेरे पेरेंट्स हे मैम। अमारा फार्मिंग का लैंड हे जेसे आपके देश में खेती ओता हे, वहां भी ओता हे।'

'बस...बस, रिक्शा रोको, यही है मेरा घर।'

'मैम, प्रोबलम नई हे तो अपना नंबर शेयर करेंगे?' उसने कहा।

शहरी संस्कृति बेदिल नहीं होती। जो अपना घर पीछे छोड़ कर अकेली महिला को उसके घर तक छोड़ने आए, उससे नंबर शेयर ना करें, यह नहीं हो सकता। मैं कुछ दिन थोड़ी सतर्क रही कि शायद वह बेवजह संदेश भेजेगा या फोन करेगा, मगर ऐसा नहीं हुआ। धीरे-धीरे यह किस्सा मेरी याददाश्त में रहा मगर जीवन से ख़त्म हो गया। कोरोना के कारण बने जटिल हालात में जीवन घरों में क़ैद हो गया था। ऐसे में एक दिन अन्तरराष्ट्रीय अनजान नंबर से मुझे व्हाट्सअप संदेश मिला।

'मैम, में कॉल कर रहा हूं, आप प्लीज फोन उठाएं।' संदेश करने वाले की तस्वीर पहचानी सी लगी, परन्तु नाम याद नहीं आ रहा था।

'हैलो मैम, मैं अली बोल रहा हे म्यांमार से।' बस इतना ही परिचय चाहिए था। मुझे सर्द रात में फ़रिश्ते सा वह युवा याद आ गया।

'हैलो अली, कहां हो आजकल?'

'मैम, मेरा मदर एक्सपायर हो गया था, तब मैं अपने घर आया था फिर यह सब हो गया, फ्लाइट बंद हो गया। अब मेरे फादर भी नहीं रहा मैम।'

'ओह, जानकर बहुत दुख हुआ बेटा।' इस बार भी बेटा संबोधन अंतर्मन से निकला था।

'मैम, जल्दी ये सब ठीक होने वाला है। फ्लाइट शुरू होते ही मे इंडिया आ जाउंगा। अब उतने पैसे की जरूरत नहीं है। यहां कोई नहीं बचा मेरा। मैम, मेरा मम्मा नहीं रहा, मे एक बार आपसे मिलना चाहता हे, आ जाऊं मैम?'

'हां, बेटा, हालात ठीक हो जाते हैं तब आना।' बात ख़त्म हो गई थी। चिपचिपा मौसम एकाएक बदल गया... हर ओर ठंडी हवा बहने लगी।

लघुकथा डॉ. सुरेश वशिष्ठ

पापिन

गंगा की पावन जलधार में डुबकी लगाई और ईश्वर का ध्यान किया। कुछ क्षण आंखें बंद किए उसे पुकारता रहा। डुबकी फिर लगाई। एक नहीं...कई डुबकियां एक साथ लगाई। फिर घाट की पौड़ी पर पांव रखा ही था कि सामने कावेरी को देख दंग रह गया।

वह शायद अपने पाप धोने आई थी। अंतस् में विचार जागने लगा।

मुझे देख ठगी-सी खड़ी रह गई वह और आंखों से अश्रुधारा फूट पड़ी। फिर मेरी आंखों में झांकती हुई धीरे से आगे बढ़ी और पैरों में गिरकर बिलख पड़ी। मैं अचेत-सा उसे देखता रहा।

चेतना जागी तो कह बैठा- 'मुझे छोड़कर गई, सहन हुआ। पर तुमने तो ममत्व का भी गला घोंट दिया। अपने ही दुधमुंहे बच्चे को छोड़कर चली गई?'

'मैं आप दोनों की अपराधी हूं, पापिन हूं।' नजरें कभी उठती, कभी गिरती रही।

'जिसके लिए हमें छोड़कर गई थी, वह साथ नहीं है क्या? उसे तो तुम्हारे साथ होना चाहिए था?'

'नहीं...।' और रुदन काँपने लगा।

'नहीं क्यों..?'

'उसे मेरी देह चाहिए थी, मैं नहीं।...देह मिली तो वह चला गया।' बहती अश्रुधार से उसकी आंखें मिच-मिचाने लगी थीं।

गजल सत्यप्रकाश बलेवा

मानवता लाचार है

शक्तियों का हो रहा प्रचण्ड रोज प्रहार है,
हर तरफ चीख-पुकार और हाहाकार है।
थर्रा उठे शहर-महल वहां रातों-रात में,
शक्तियों के युद्ध में मानवता लाचार है।
शांति के दूत बने खाते हैं नित मौत को,
जगह-जगह लगा हुआ गोलों का अंबार है।
धधक रहा आसमान मौत की बारिश बने,
सनक शासक की उठे मार-अत्याचार है।
चारों तरफ हो रहा मौत का तांडव जहां,
मानव की बेबसी पर रो रहा संसार है।
भागती जिन्दगियां लील लेगा अब कभी,
क्रूर शासक कर रहे मौत का व्यापार है।
स्वार्थ अपने सिद्ध कर दादागिरी का सार है,
विश्व की संस्थाएं मौन-चुप लाचार है।

कविता नवीन फरमाणियां

सरकार के आगे

सभी हैं मौन, सरकार के आगे
फिर बोले कौन, सरकार के आगे...
हो गया कानून अंधा, नहीं दिखता चेहरा
बन बैठा लोकतंत्र बहरा, सरकार के आगे ...
हो गए कैद क़फस में हम
अधिकार जो मांगे, सरकार के आगे...
महंगाई ने कर रखा गरीबों का हाल बेहाल
कौन करे सवाल, सरकार के आगे...
डंडों से देंगे मार, जाएंगे गैस के गोले दागे
जो मांगे रोजगार, सरकार के आगे...
राम राज्य में सुरक्षित नहीं, सीता जो
कौन दिलाएं न्याय रेप पीड़िता को, सरकार के आगे...
अमीर होता तो न्याय मिल जाता
गरीब खड़ा हाथ जोड़, सरकार के आगे...
कलम पर भी बरसा प्रकोप बनकर काल
नवीन तेरी क्या मजाल, सरकार के आगे।

जिंदा लोगों का मोहल्ला

जिंदा आदमी खोज प्रतियोगिता की उद्घोषणा के बाद मोहल्ले में जैसे स्वयं को जिंदा साबित करने की निवासियों में होड़ -सी लग गई। जिंदा होने के सबूत जुटाए जाने लगे। गवाहों की सूची बनाई जाने लगी। दिन-रात लोग सांस ले लेकर देखने लगे। दूसरे मोहल्ले के लोगों के पास जाकर पूछने लगे कि क्या उन्हें वे जिंदा दिखाई दे रहे हैं?

सारा मोहल्ला निराशा से आसमान को ताक रहा था कि तभी एक बच्चे ने आकर बताया कि कब्रिस्तान के एक कोने में एक आदमी बैठा हुआ मिला है जिसके ललाट से खून निकल रहा है। आदमी से खून निकलता मोहल्ले ने पहली बार सुना था। कौतूहलवश पूरा मोहल्ला उस आदमी के इर्द-गिर्द जमा हो गया। आदमी में रक्त हो इसके साक्षी मोहल्ले वाले पहली बार हुए। आपसी विमर्श के बाद उस आदमी को पहला जिंदा आदमी घोषित कर दिया गया। मोहल्ला इतना खुश था कि सब निवासी उस आदमी का थोड़ा-थोड़ा खून निचोड़ कर अपने शरीर पर मलने लगे और जिंदा आदमी मिलने की खुशी में नाचने-गाने लगे।

व्यंग्य

सुनील साहिल

आज मोहल्ले के निवासियों की सभा हुई जिसमें तय हुआ कि मोहल्ले के जिंदा लोगों को चिन्हित किया जाएगा, लेकिन साथ ही यह आशंका भी जाहिर की गई कि जिंदा लोगों की पहचान कैसे की जाए?

मोहल्ले के सबसे बुद्धिजीवी व्यक्ति ने एक सर्वश्रेष्ठ सुझाव दिया कि सबसे पहले यह देखा जाएगा कि जिंदा आदमी सांस ले रहा है। साथ में जिंदा आदमी की पहचान यह भी तय की जाए कि वह जमीन पर चलता हो और यदि जिंदा आदमी देख भी सकता है तो यह उसकी अतिरिक्त योग्यता होगी। एक मरे हुए जिंदा आदमी ने कहा कि मोहल्ला स्तर की 'जिंदा आदमी खोज प्रतियोगिता' का आयोजन हो और समारोह स्थल स्थानीय कब्रिस्तान का बाग हो क्योंकि वहां ऑडियंस के रूप में मुर्दे तो पहले से ही मौजूद हैं। इसके लिए आनन-फानन में एक समिति का गठन किया गया। सुझाव क्योंकि एक मरे हुए जिंदा आदमी ने दिया था तो सब निवासियों ने गाल बजाकर इसका स्वागत किया। जिंदा आदमी खोज प्रतियोगिता की उद्घोषणा के बाद मोहल्ले में जैसे स्वयं को जिंदा साबित करने की निवासियों में होड़ सी लग गई। जिंदा होने के सबूत जुटाए जाने लगे। गवाहों की सूची बनाई जाने लगी। दिन-रात लोग सांस ले लेकर देखने लगे। दूसरे मोहल्ले के लोगों के पास जाकर पूछने लगे कि क्या उन्हें वे जिंदा दिखाई दे रहे हैं?

कुछ अतिरिक्त चतुर युवा प्रतियोगी 'जिंदगी जिंदादिली का नाम है मुरदे क्या खाक जिया करते हैं' जैसी कविताएं रटने लगे। लड़कियां 'जिंदा हूं मैं' जैसे सिनेमाई नगमे याद करने लगी। मानों मोहल्ला फिर से जी उठा। चारों तरफ जिंदगी का माहौल था। आखिरकार प्रतियोगिता का दिन आ ही गया। मुख्य अतिथि स्थानीय नेता श्री मरे प्रसाद 'जीवित' जी थे जो कि अपने समय के महान स्वघोषित जिंदा थे। उन्हें 'जिंदा विभूषण' जैसा राष्ट्रीय सम्मान भी प्राप्त हो चुका है। जिंदा लोगों की इस खोज प्रतियोगिता में सबसे पहले मोहल्ले के निवासियों को भागकर दिखाना था। बिगुल बजते ही सब भागने लगे और कुछ निवासी ऐसे पीठ दिखाकर भागे कि लौटकर कर ही नहीं आए। इसका अर्थ ये निकाला गया कि वे जिंदा नहीं थे, बस अपने कंधों पर अपनी लाश ढो रहे थे और इस अवगुण के चलते वे सब प्रतियोगिता से बाहर हो गए।

एकाएक मोहल्ले के साहित्यकार समवेत स्वर में चिल्लाने लगे 'हिंदी हमारी मां है, हिंदी हमारी मां है' क्योंकि उन्होंने कहीं से सुन लिया था कि जिसे निज भाषा पर अभिमान नहीं, वह पुरुष मृत समान है। जिंदा दिखने का यह उनका अनूठा प्रयास था। दूसरे राउंड में नेताजी मोहल्ले की एक औरत को पीटने लगे जिसे मोहल्ला निवासी मनोरंजन की दृष्टि से देख रहे थे। यही उनकी परीक्षा की घड़ी थी, जिसे निर्णायकों ने अपनी सूक्ष्म दृष्टि से जांचा। जिस-जिस ने ताली बजाई और उछल कूद की, उन्हें प्रतियोगिता से बाहर कर दिया गया और जिस-जिस ने नेताजी को पकड़कर कूटा, उन्हें अलग से खड़ा कर दिया गया। वे सेमी फाइनल में प्रवेश कर चुके थे। इससे अगले राउंड में प्रतिभागियों को नेताजी की महिमा में चार पंक्तियां लिखनी थी। जिस-जिस ने भी लिख दी, वे भी प्रतियोगिता से बाहर कर दिए गए। चापलूसी, चाटुकारिता और चमचागिरी जिंदा आदमी के लिए विष के समान समझी गई। मोहल्ला अभी भी आशावादी था कि उनके बीच कुछ जिंदा लोग तो जरूर पाए जाएंगे। सो प्रतियोगिता जारी रही- लोगों का चलना देखा गया, उनका सांस लेना देखा गया, उनका पानी पीना, उनका हंसना-रोना देखा गया, लेकिन मोहल्ले को फिर भी एक संपूर्ण जिंदा आदमी नहीं मिला। जो मुर्दनी उस मोहल्ले में सदियों से थी, वह और छा गई। रुदालियां रोने की तैयारियां करने लगी। शहनाई वादक को खबर कर दी गई। सारा मोहल्ला निराशा से आसमान को ताक रहा था कि तभी एक बच्चे ने आकर बताया कि कब्रिस्तान के एक कोने में एक आदमी बैठा हुआ मिला है जिसके ललाट से खून निकल रहा है। आदमी से खून निकलता मोहल्ले ने पहली बार सुना था। कौतूहलवश पूरा मोहल्ला उस आदमी के इर्द-गिर्द जमा हो गया। आदमी में रक्त हो इसके साक्षी मोहल्ले वाले पहली बार हुए। आपसी विमर्श के बाद उस आदमी को पहला जिंदा आदमी घोषित कर दिया गया। मोहल्ला इतना खुश था कि सब निवासी उस आदमी का थोड़ा-थोड़ा खून निचोड़ कर अपने शरीर पर मलने लगे और जिंदा आदमी मिलने की खुशी में नाचने-गाने लगे। यह खूनी उत्सव पूरी रात चलता रहा। सुबह हुई तो देखा कि वह एकमात्र जिंदा आदमी भी मर चुका था।

संवेदनाओं का पारदर्शी दर्पण है काव्य संग्रह 'अभिव्यक्ति'

पुस्तक : अभिव्यक्ति
कवयित्री : डॉ. पूनम भारद्वाज
मूल्य : 240 रुपये
प्रकाशक : अद्विक पब्लिकेशन, दिल्ली

पुस्तक समीक्षा डॉ. विजेन्द्र कुमार

साहित्य की अविरल धारा में कविता वह दर्पण है, जिसमें समाज अपनी संवेदनाओं, संघर्षों और स्वप्नों का चेहरा देखता है। आधुनिक हिंदी साहित्य के परिदृश्य में डॉ. पूनम भारद्वाज का काव्य-संग्रह 'अभिव्यक्ति' एक ऐसी ही सशक्त उपस्थिति है, जो अपनी वैचारिक गहराई और भावपूर्ण प्रस्तुति से पाठक के हृदय पर अमिट छाप छोड़ने में समर्थ है। यह कृति केवल शब्दों का विन्यास नहीं, बल्कि एक स्त्री के अंतर्मन की गूंज, सामाजिक विसंगतियों पर प्रहार और मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना का एक गंभीर प्रयास है।

डॉ. भारद्वाज की कविताएं जीवन के उस यथार्थ से रूबरू कराती हैं, जिसे हम अकसर अपनी भागदौड़ भरी जिंदगी में अनदेखा कर देते हैं। उनकी शैली में जहां एक ओर कोमलता है, वहीं दूसरी ओर ज्वलंत मुद्दों पर एक निर्भीक स्पष्टता भी दिखाई देती है। इस संग्रह की सबसे बड़ी विशेषता इसकी बहुआयामी प्रकृति है। कवयित्री ने प्रेम, प्रकृति, आध्यात्मिकता और स्त्री-विमर्श जैसे विषयों को बहुत ही सूक्ष्मता से अपनी लेखनी में पिरोया है। उनकी कविताओं में एक प्रवाह है, जो पाठक को सहज ही अपनी ओर आकर्षित कर लेता है। 'अभिव्यक्ति' की पंक्तियों में छिपी गहरी दार्शनिकता पाठक को आत्मचिंतन के लिए विवश करती है। संग्रह का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष स्त्री-चेतना और उसकी अस्मिता का प्रश्न है। कवयित्री ने अपनी कविताओं के माध्यम से स्त्री के अंतर्द्वंद्व और उसकी शक्ति को बहुत ही प्रभावी ढंग से मुखर किया है। वे स्त्री को केवल त्याग की मूर्ति के रूप में ही नहीं, बल्कि एक स्वाभिमानी और स्वतंत्र चेतना के रूप में प्रतिष्ठित करती हैं। आध्यात्मिक स्तर पर भी यह संग्रह काफी समृद्ध है। भक्ति और आस्था उनके काव्य में अंधविश्वास के रूप में नहीं, बल्कि एक आंतरिक शक्ति के रूप में प्रवाहित होती है। वे ईश्वर को मंदिर या मस्जिदों के बजाय मनुष्य के भीतर और उसकी सेवा में खोजने का संदेश देती हैं। उनकी आध्यात्मिक चेतना लोक-कल्याण की भावना से ओत-प्रोत है। काव्य-शिल्प की दृष्टि से देखें तो 'अभिव्यक्ति' की भाषा सरल, सहज और प्रवाहमयी है। क्लिष्ट शब्दों के बजाय उन्होंने ऐसे शब्दों का चयन किया है जो सीधे पाठक के संवाद स्थापित करते हैं। उपमाओं और प्रतीकों का प्रयोग बहुत ही सटीक और प्रभावशाली ढंग से किया गया है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि डॉ. पूनम भारद्वाज ने इस संग्रह के माध्यम से हिंदी कविता की समृद्ध परंपरा को आगे बढ़ाया है। 'अभिव्यक्ति' नाम सार्थक सिद्ध होता है क्योंकि यह केवल कवयित्री की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति की आवाज़ बन जाती है जो जीवन को गहराई से महसूस करता है। इस संग्रह की एक और कविता की ये पंक्तियां मन को गहराई तक छू जाती हैं :

'रिश्तों की डोर बड़ी कच्ची है,पर विश्वास की नींव अगर सच्ची है,
तो तूफानों में भी दीये जलेंगे, क्योंकि नियत हमारी अच्छी है।'

अंततः, डॉ. पूनम भारद्वाज का यह काव्य-संग्रह 'अभिव्यक्ति' हिंदी साहित्य की एक अनमोल निधि है। यह पुस्तक उन सभी के लिए पठनीय है जो कविता में सत्य, शिव और सुंदर की खोज करते हैं। यह संग्रह हमें यह विश्वास दिलाता है कि जब तक शब्द जीवित हैं और कवियों की लेखनी सक्रिय है, तब तक मानवीय संवेदनाओं का दीप प्रज्ज्वलित रहेगा। डॉ. भारद्वाज की यह कृति न केवल उनके काव्य-कौशल का प्रमाण है, बल्कि उनके संवेदनशील व्यक्तित्व का प्रतिबिंब भी है। यह काव्य-यात्रा पाठकों के मन में एक नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार करती है, जो साहित्य की वास्तविक सार्थकता है।

चार दिवसीय बासौड़ा पर्व की शुरुआत : आज चौगान माता व चाक पर चढ़ाया जाएगा प्रसाद

बासौड़ा पर्व पर माता शीतला को लगाया गुड़-चने का भोग

- सुनारों वाली मंदिर एवं धर्मशाला परिसर में पूजा-अर्चना करने उमड़ी महिलाओं की भीड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रविवार से चार दिवसीय बासौड़ा पर्व की शुरुआत हो गई है। अलसुबह सौभाग्यवती महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में मां शीतला की पूजा अर्चना की। महिलाएं लाल चुनरी व पीलिया ओढ़ कर अपने बच्चों के साथ चौगान माता व शीतला माता की पूजा करती दिखाई दी। अपनी-अपनी मान्यता के अनुसार जहां अधिकांश महिलाओं ने मां को गुड़-चने का प्रसाद चढ़ाया वहीं कुछ श्रद्धालुओं द्वारा अलसुबह तैयार किए गए पूड़े व पूड़ी का प्रसाद मां के चरणों में अर्पित कर संतान सुख की कामना की। पूजा का यह सिलसिला सुबह से शुरू होकर शाम तक चलता रहा।

बताते हैं कि शीतला मां की पूजा के साथ ही बासौड़ा पर्व आरंभ हो जाता है। स्थानीय सुनारों वाली मंदिर एवं धर्मशाला परिसर में पूजा-अर्चना करने

वाली महिला श्रद्धालु शंकुतला, कांता देवी, मीना देवी, शांति देवी वर्मा ने बताया कि इस दिन मुख्य रूप से माता शीतला की पूजा की जाती है। उन्होंने यहां मंदिर पहुंचकर बगुलामुखी मां की भी पूजा- अर्चना की है। इसके बाद अब रविवार की रात्रि गुड़ से बनाए गए चावल के प्रसाद से सोमवार की अलसुबह चौगान माता व कुम्हारों के घरों में मिट्टी के बर्तन बनाने के लिए उपयोग में लाए जाने वाले चाक की पूजा की जाएगी। उसके उपरांत मंगलवार को फिर से गुड़-चावल का प्रसाद बनाया जाएगा जो दही के साथ माता गेट स्थित बुद्धोमाता मंदिर में अर्पित किया जाएगा। कुछ श्रद्धालुओं के अनुसार आज पहले दिन मां को भोग के लिए निमंत्रण दिया गया है।

बुद्धोमाता को लगाया जाता है बासी पकवानों का भोग

बासौड़ा पर्व के दौरान चौगान माता, बुद्धोमाता आदि के समक्ष बासी पकवानों का भोग लगाया जाता है। इस पर्व को लेकर मान्यता है कि बासी पकवानों का भोग लगने के बाद से ही रात का बासी खाना दूसरे दिन की शाम तक खराब होना शुरू हो जाता है। इससे पहले के दिनों में एक दिन पूर्व बनाया गया खाना दूसरे दिन की शाम तक भी खराब नहीं हो पाता है। बेशक वैज्ञानिक कारणों में सर्दी के मौसम के बाद गर्मी की शुरूआत होने के कारण बासी खाना खराब होना शुरू होता हो लेकिन आस्था यही है कि बासौड़ा पर्व के बाद से ही ऐसा होने की शुरूआत होती है।

संक्रामक रोगों से मिलती है मुक्ति

हिंदू धर्म में शीतला अष्टमी का एक विशेष स्थान है। शीतला माता को संक्रामक रोगों से मुक्ति दिलाने वाली माता का रूतबा प्राप्त है। कहते हैं कि शीतला मां की पूजा करने से जहां रोग व बीमारियों से मुक्ति मिलती है वहीं जीवन में भी सुख शांति बनी रहती है।

दिनभर उड़ती धूल से दुकानदार परेशान

सड़क निर्माण के एक माह बाद भी नहीं हो पाया रास्ता सुचारू

- पिछले करीब दो माह से मंदे की मार झेल रहे पुराना बर्फखाना रोड के दुकानदार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

पुराना बर्फखाना रोड पर बनाई सड़क को बनाए करीब एक माह बीत चुका है लेकिन अभी तक रास्ता सुचारू नहीं किया गया। इस कारण मौहल्लावासियों व रोड के दुकानदारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि पहले जहां वे सड़क न बनने के कारण परेशान थे अब रास्ता शुरू न होने के कारण दिक्कत आ रही है। दुकानदार सुरेश कुमार ने बताया कि इस सड़क पर उसकी परचून की दुकान है। पिछले करीब दो माह से उसका काम मंदा है। पहले के माह में जहां सड़क उखाड़े जाने के कारण राहगीरों का आवागमन रुक गया था वहीं अब रास्ता बनने के बाद अभी तक उसे शुरू नहीं किया गया। सड़क पर रेत पड़ा है जिस पर कर्मचारियों द्वारा छिड़काव करना भी बंद कर दिया गया है। ऐसे में कुछ दुपहिया वाहन चालक अपनी बाइकों को तेजी से दौड़ाते चले जाते हैं जिस कारण यहां दिन भर धूल उड़ती रहती है।

झज्जर। पुराना बर्फखाना रोड पर पड़ा रेत, जहां उड़ती रहती है धूल। फोटो : हरिभूमि

जल्द मिलेगी आमजन को राहत

नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी ने कहा कि पुलिया निर्माण कार्य अभी अधूरा है। पुलिया निर्माण पूरा होने के बाद मार्ग खोल दिया जाएगा। अगर सड़क पर छिड़काव नहीं किया जा रहा है तो संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

दुकान का किराया निकालना हुआ मुश्किल

दुकानदार विनोद

दुकानदार सुरेश

सर्विस स्टेशन पर काम करने वाले कर्मचारी विनोद ने बताया कि इस रोड पर उन्होंने सर्विस स्टेशन खोला हुआ है जिसका किराया करीब 22 हजार रुपये है। दो-ढाई माह पहले सड़क उखाड़े जाने के बाद यहां आवागमन रुक गया था। ऐसे में उनके काम पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा था। अब रास्ता बना तो उन्होंने राहत की सांस ली थी लेकिन रास्ता शुरू न होने के कारण लोग इस रास्ते पर आने की बजाय दूसरे सर्विस स्टेशनों का रुख कर रहे हैं। जिस कारण अपनी दिहाड़ी तो दूर की बात, किराया निकालना तक मुश्किल हो रहा है। वहीं हेयर सैलून संचालक दीपक शर्मा का कहना है कि नगर परिषद को चाहिए कि वह शीघ्र रास्ता सुचारू कर लोगों को इस समस्या से निजात दिलाए। वे पिछले दो माह से भारी मंदे की मार झेल रहे हैं। यदि रास्ता सुचारू होता है तो उनका काम चलेगा। पहले के दिनों में जहां लोगों की आवाजाही रुक गई थी वहीं अब रास्ता बनने के बाद काम तो निकलने लगा है लेकिन पहले वाली बात नहीं है।

इवोल्वरएक्स बिग पिच व्यवसाय प्रस्तुति में एचडी के विद्यार्थी छाए

झज्जर। एक्सएलआरआई जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट दिल्ली में आयोजित इवोल्वरएक्स बिग पिच व्यवसाय प्रस्तुति प्रतियोगिता में एचडी स्कूल साल्हावास के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान का नाम रोशन किया है। विद्यालय के ओलंपियाड विशेषज्ञ आशीष यादव ने बताया कि उनके स्कूल के कार्तिक व मयंक ने प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से कई टीमों ने भाग लिया। कड़ी चयन प्रक्रिया के बाद फाइनल राउंड के लिए पूरे भारत से केवल 10 टीमों का चयन किया गया, जिनमें कॉलेजों और स्टार्टअप की टीमें भी शामिल रही। विशेष बात यह रही कि स्कूल स्तर से फाइनल तक पहुंचने वाली टीम केवल कार्तिक और मयंक की ही टीम रही। इस उपलब्धि के लिए टीम को बीस हजार रुपये की नकद प्रोत्साहन राशि और प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर एचडी स्कूल निदेशक रमेश गुलिया, सचिव विशाल नेहरा, हेमंत गुलिया तथा प्राचार्य सतबीर सिंह ने दोनों विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

झज्जर। प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत करते हुए अतिथि। फोटो : हरिभूमि

सरपंचों व ग्राम सचिवों को दिया ई-ग्राम स्वराज प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेरी

पंचायत के कामकाज का डिजिटलीकरण पारदर्शिता का आधार बन रहा है। सरपंचों और ग्राम सचिवों को ई-ग्राम स्वराज सहित विभिन्न पोर्टलों के उपयोग में सिद्धहस्त बनना होगा। सरकार ने कई महत्वपूर्ण डिजिटल पोर्टल शुरू किए हैं, जिनके माध्यम से योजनाओं की जानकारी, मॉनिटरिंग और कार्यों का रिकॉर्ड ऑनलाइन किया जाने लगा है। यह बात हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के निदेशक डॉक्टर वीरेंद्र सिंह चौहान ने खंड पंचायत एवं विकास कार्यालय में आयोजित कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि सरपंचों और ग्राम सचिवों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने सरपंचों और ग्राम सचिवों से आह्वान किया कि वे सरकार द्वारा शुरू किए गए डिजिटल पोर्टलों का सही और प्रभावी उपयोग करें। इन पोर्टलों के माध्यम से पंचायतों के विकास कार्यों, योजनाओं की प्रगति और वित्तीय जानकारी को पारदर्शी तरीके से दर्ज किया जा सकता है।

बेरी। कार्यशाला में उपस्थित सरपंचों व ग्राम सचिवों को संबोधित करते हुए निदेशक डॉक्टर वीरेंद्र सिंह चौहान। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए समिति पदाधिकारी एवं अन्य। फोटो : हरिभूमि

महिलाओं के अधिकारों को लेकर सौंपा ज्ञापन

झज्जर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर जनवादी महिला समिति द्वारा लघु सचिवालय परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समिति की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा डॉक्टर जगमति सांगवान ने कहा कि महिला दिवस दुनिया भर की महिलाओं को एक मंच पर आने का अवसर है। वर्ष 2026 का थीम अधिकार, न्याय, कारवाई, सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए की मूल भावना को लागू करवाने के लिए संघर्ष की मांग है। महिलाओं ने इस समाज अपनी स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए और समान नागरिक अधिकार पाने के कड़े संघर्ष किए गए हैं। एक समय ऐसा भी था कि जब सती प्रथा को बहुत ही सम्मान की दृष्टि से देखा जाता था। उस दौरान महिलाओं को न तो मतदान करने का अधिकार था और न ही पुरुषों के समान वेतन पाने का। आज राष्ट्रीय थीम के विपरीत अश्लील गीत, अपहरण, छेड़खानी, घरेलू हिंसा, दहेज आदि के मामले बढ़ रहे हैं। महिलाओं को उनके अधिकार मिलने चाहिए। आशा वर्कर यूनियन की नेता अनिता भागलपुरी, पूर्व महिला सरपंच उर्मिला गांगटान, जयपाल गुढ़ा, न्याय संघर्ष समिति के कंवीनर रमेश जाखड़, एसकेएस जिला उपप्रधान सतीश अहलावत ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के उपरांत समिति द्वारा महिला अधिकारों को लेकर जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन भी भेजा। समिति इस मौके पर सविता, शकुंतला, सतीश, बिमला सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

नुक्कड़ मीटिंग में महिला अधिकारों पर की चर्चा

बहादुरगढ़। ऑल इंडिया महिला सांस्कृतिक संगठन ने शहर की कबीर बस्ती में महिलाओं के अधिकारों, नशाखोरी व महिलाओं पर बढ़ रहे अत्याचारों आदि मुद्दों को लेकर नुक्कड़ मीटिंग की। संगठन की लोकल कमेटी सचिव सोनिया ने बढ़ती बेरोजगारी, अश्लीलता व नशाखोरी आदि पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि महिलाओं को हर क्षेत्र में समान अवसर मिलना चाहिए। लेकिन महिलाओं पर लगातार अत्याचार बढ़ रहे हैं। महिलाओं को कई प्रकार की सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। बिमला, सीमा, भारती, आभा व सुशीला आदि ने कहा कि सरकार और समाज को महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा, रोजगार और सम्मान को सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिएं।

विद्यार्थियों को दी कक्षा प्रबंधन के लिए कौशल की जानकारी

झज्जर। रविवार को रविंद्रा भारती शिक्षण महाविद्यालय में कक्षा- प्रबंधन के लिए कौशल की आवश्यकता विषय विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस दौरान एमडीएस शिक्षण महाविद्यालय कोसली से प्राध्यापक डॉक्टर मुकेश कुमार ने मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए भावी शिक्षकों की विभिन्न स्थितियों में विभिन्न कौशलों का प्रयोग करके विषय, विद्यार्थी और अधिगम में समन्वय स्थापित करने के तरीकों की जानकारी दी। इस दौरान विशेष रूप से उपस्थित महाविद्यालय की संचालिका डॉक्टर बाला धनखड़ ने महिला के अधिकारों को आज के बदलते पारिवारिक परिवेश को सुधारने के लिए कुछ आवश्यक सुझाव दिए। उन्होंने महिला सशक्तिकरण व अधिकारों की जागरुकता व उनके सही प्रयोग पर बल दिया। इस मौके पर प्राचार्य डॉ. कुलदीप सिंह, प्रवक्ता समेश, अनु सैनी, सुमन, रितू, सुनील, सहायक प्रवक्ता मनीषा गर्ग, विरेंद्र कौशिक, रितिक सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। मुख्य वक्ता को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते हुए महाविद्यालय स्टाफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

शिक्षा व रोजगार क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी पर चर्चा

झज्जर। रविवार को महिला अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में हिमालय हाई स्कूल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन में स्कूल की अध्यापिकाओं व महिला अभिभावकों ने भाग लिया। इस दौरान महिलाओं द्वारा समाज में महिलाओं की शिक्षा, रोजगार, सुरक्षा आदि को लेकर चर्चा की गई। मुख्याध्यापिका लीला देवी ने बताया कि कार्यक्रम में शिक्षण, बैंकिंग, व्यावसाय प्रबंधन, चिकित्सा, पुलिस और रक्षा क्षेत्र में बढ़ती महिलाओं की भागीदारी पर गर्व की अभिव्यक्ति की गई।

झज्जर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर खंड साल्हावास स्थित पैक्स कार्यालय में कार्यक्रम

महिलाओं को आत्मरक्षा व कानूनी अधिकारों के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

खंड साल्हावास स्थित पैक्स कार्यालय में रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डीडीपीओ निशा तंवर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की जबकि अध्यक्षता को ऑपरेटिव बैंक के सहायक रजिस्ट्रार बीरेंद्र सिंह ने की। इस दौरान अपने संबोधन में मुख्यातिथि ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य, सुरक्षा, आत्मरक्षा और संतुलित खान-पान के प्रति जागरूक करना है। महिलाओं को आत्मरक्षा और सुरक्षा, उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूकता तथा बदलते सामाजिक परिवेश में सजग रहने का संदेश दिया। नारी शक्ति ही समाज की सच्ची प्रेरणा और प्रगति का आधार होती है। कार्यक्रम में यूपीएससी में नव चयनित साल्हावास निवासी दीपक जाखड़ की दादी मां कृष्णा देवी को भी स्मृति चिन्हभेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ब्लॉक समिति चेयरमैन मुनेश देवी, साल्हावास सरपंच सुदेश कुमारी, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर प्रियंका, पूर्व जिला पार्षद माया यादव सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते हुए डीडीपीओ निशा तंवर।

कानूनी अधिकारों से करवाया अवगत

- महिला दिवस पर मातनहेल गांव में कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मातनहेल गांव में कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव एवं सीजेएम विशाल के आदेशानुसार जेके लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड झाड़ली के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूह की करीब 36 गावों की महिलाओं व कंपनी की सीएसआर पहल से डिफेंस और पुलिस नौकरियों की तैयारी कर रही महिला, मधुबनी पेंटिंग प्रशिक्षण की महिला, लक्ष्मी विद्या स्कॉलरशिप की महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पैनल अधिवक्ता ज्योति फौगाट ने उपस्थित महिलाओं को उनके अधिकारों, घरेलू हिंसा, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न बारे विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षित मध्यस्थ कर्मजीत छिल्लर ने उपस्थित महिलाओं को मुफ्त कानूनी सहायता, हालसा व नालसा द्वारा चलाई गई योजनाओं बारे सामुदायिक मध्यस्थता, राष्ट्रीय लोक अदालत व नालसा टोल फ्री नंबर 15100 बारे जानकारी दी। इस मौके पर करीब एक सौ महिलाओं को सम्मानित भी किया गया। इस मौके पर हरियाणा राज्य आजीविका मिशन की ओर से आशीष, सुजाता, कमला, पूनम, मातनहेल सरपंच विजय लता, जेके लक्ष्मी सीमेंट लिमिटेड से सीएसआर प्रभारी जगमोहन, प्रशिक्षित मध्यस्थ सरोज देवी, संदीप, पैरा लीगल वालंटियर बबीता देवी सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए वक्ता।

खबर संक्षेप

बुवानीवाला 9वीं बार बने प्रदेशाध्यक्ष, दी बधाई

बहादुरगढ़। अग्रवाल वैश्य समाज के प्रदेशस्तरीय अधिवेशन के दौरान अशोक बुवानीवाला को लगातार 9वीं बार प्रदेश अध्यक्ष चुने जाने पर वैश्य समाज ने खुशी व्यक्त करते हुए बुवानीवाला को बधाई दी है। वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय के उपप्रधान प्रेम बंसल ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि वृंदावन में आयोजित हुए समाज के अधिवेशन के दौरान आगामी दो वर्ष के लिए एक बार फिर से अशोक बुवानीवाला को प्रधान चुना गया। उनके कुशल नेतृत्व में अग्रवाल वैश्य समाज ने प्रदेशभर में अपनी अलग पहचान स्थापित की है।

मृतकों को 50-50 लाख दे सरकार : लालजी

बहादुरगढ़। मजदूर कल्याण मंच की लोकल कमेटी के सचिव लालजी ने सफीदों की एक फैक्ट्री में लगी आग को लेकर सवाल उठाए हैं। उनके अनुसार फैक्ट्री में अचानक आग लगने व बाहर से ताला लगा होने के कारण 5 पुरुष व 18 महिलाएं मजदूर अंदर बुरी तरह झुलस गए। हादसे में 6 महिलाओं ने दम तोड़ दिया, जबकि 12 अन्य श्रमिकों की हालत गंभीर है। प्रदेश में ऐसे हादसे आए दिन हो रहे हैं। सरकार इन पर रोक लगाने में पूरी तरह से असफल साबित हो रही है। श्रम विभाग सहित अन्य तमाम सरकारी विभागों के संबंधित अधिकारी अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रहे। फैक्ट्री मालिक व प्रबंधकों के साथ ही साथ सरकारी विभागों के संबंधित अधिकारियों के खिलाफ भी व्यक्तिगत तौर पर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। मृतकों के आश्रितों को 50-50 लाख रुपये मुआवजा देने, घायलों का उचित व उच्च स्तरीय पूरा इलाज कराने व उन्हें 10-10 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग की।

तलाव गांव में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर हुई एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं

विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं संस्थानों से सैकड़ों बालिकाओं और महिलाओं ने लिया उत्साहपूर्वक भाग

100 मीटर में लक्षिता व सुनिति दौड़ी सबसे तेज

विजेता प्रतिभागियों को पदक एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

गांव तलाव में रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। इसमें विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं संस्थानों से सैकड़ों बालिकाओं और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में जिप चेयरमैन कप्तान बिरधाना ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की और खिलाड़ियों का उत्साहवर्द्धन किया।

मुख्यातिथि कप्तान सिंह बिरधाना ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को खेल, फिटनेस तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति प्रेरित करना और खेलों में उनकी सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देना है। इस प्रकार के आयोजन महिलाओं को खेलों के माध्यम से आत्मविश्वास, बेहतर स्वास्थ्य और सशक्तीकरण की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों को पदक एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए।

झज्जर। विजेता प्रतिभागी को सम्मानित करते हुए जिप चेयरमैन कप्तान सिंह बिरधाना।

ये रहे परिणाम

100 मीटर दौड़ में अंडर-13 आयु वर्ग में लक्षिता ने पहला, हर्षिता ने दूसरा और द्वितीय तथा सृष्टि ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं 13–18 आयु वर्ग में सुनिति ने पहला, भूमिका ने दूसरा और साक्षी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में ज्योति ने पहला, अनीता ने दूसरा और मानसी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा दो सौ मीटर अंडर-13 वर्ग में लक्षिता ने पहला, करूणा ने दूसरा और सृष्टि ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं 400 मीटर दौड़ के अंडर-13 आयु वर्ग में करूणा ने पहला, सृष्टि दूसरा और प्रिंसी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। उधर, 13-18 वर्ष वर्ग में निशु ने पहला, मन्नत ने दूसरा और साक्षी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में प्रमिला, नेहा और कविता क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता मनीष बंसल, सीनियर कोच पवन कुमार, कोच ज्योति, उप निरीक्षक पूजा, सुपरवाइजर रचना सहित अन्य भी मौजूद रहे।

झज्जर। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के साथ उपस्थित महिलाएं व अन्य। फोटो: हरिभूमि

मटका दौड़ में गीता व नींबू दौड़ में सुनीता ने मारी बाजी

बहादुरगढ़। रविवार को नया गांव में सूर्या फाउंडेशन द्वारा खेल स्पर्धा का आयोजन किया गया। इसमें लीना सोमवंशी, शुभ्रदा घरोटे, गौतम नायक, मनोज सोमवंशी, जयशंकर, भंवर सिंह, तथा कवल कुमार आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महिलाओं ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। मटका दौड़ में गीता ने प्रथम, पूनम ने द्वितीय तथा मोनिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। नींबू दौड़ में सुनीता प्रथम, कंचन द्वितीय तथा माया तृतीय स्थान पर रहीं। म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में सपना ने प्रथम, नीलम ने द्वितीय तथा पूनम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं 200 मीटर दौड़ में सीमा प्रथम, कोमल द्वितीय तथा स्वीटी तृतीय स्थान पर रहीं। रस्सा-कस्सी प्रतियोगिता में नयागांव की टीम ने शानदार जीत हासिल की। मौके पर अरुण, महानारायण, श्याम जायसवाल व प्रेमलता आदि मौजूद रही।

बहादुरगढ़। खेल स्पर्धा में भाग लेने वाली महिलाएं। फोटो: हरिभूमि

खो-खो प्रतियोगिता में कुकडौला गांव की टीम रही प्रथम

झज्जर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रिलायंस एमईटी द्वारा महिला खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में निकटवर्ती गांवों की लगभग 300 महिलाओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता का मुख्य आकर्षण महिला की खो-खो प्रतियोगिता रही। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुकडौला गांव की टीम ने प्रथम, दादरी तोए गांव की टीम ने द्वितीय स्थान हासिल किया। विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए कार्यक्रम की मुख्यातिथि संगीता राज्याण ने महिलाओं को जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर सीएसआर हेड कर्नल रोमेल राज्याण, नीलम सिंह, चंचल, राजकुमार, अक्षय, संजय गुलाटी, राखी, लोकेश कापसे आदि उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़। खिलाड़ियों का परिचय लेते उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल।

मेहंदीपुर-डाबोदा में लड़कियों ने फुटबॉल में दिखाया जोश

- अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने किया प्रतियोगिता का शुभारंभ
- प्रतियोगिता में क्षेत्र की 8 टीमों ने भाग लिया, रोमांचक खेल का किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को गांव मेहंदीपुर-डाबोदा में मेरा गांव मेरा देश संस्था द्वारा फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में क्षेत्र की 8 टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम में डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए प्रतियोगिता का शुभारंभ किया और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। सरपंच रेशमा देवी ने अतिथियों का अभिनंदन करते हुए गांव की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने कहा कि खेल गतिविधियां युवाओं में अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास का विकास करती हैं। इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने के साथ-साथ उन्हें नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रखने में भी सहायक होता है।

पूर्व डीजीपी रंजीव दलाल ने कहा कि खेलों के माध्यम से युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए ऐसे आयोजनों का होना बेहद जरूरी है। महिला दिवस के अवसर पर उपायुक्त स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने गांव की महिलाओं को भी सम्मानित किया और समाज में उनके योगदान की सराहना की। अधिकारियों ने मेरा गांव मेरा देश संस्था द्वारा संचालित दादा रूप चंद रीड इंडिया ज्ञान केंद्र भी देखा। इस अवसर पर एसडीएम अभिनव सिवाच, डीसीपी मयंक मिश्रा, तहसीलदार सुदेश मेहरा, बीडीपीओ सुरेंद्र खत्री, प्रदीप दलाल, संजय रोहिल्ला सहित अन्य उपस्थित रहे।

मेरा गांव मेरा देश की टीम ने जीता खिताब

फाइनल में मेरा गांव मेरा देश की टीम को पेनल्टी शूट में 3-2 के अंतर से हराकर भगत सिंह फुटबाल क्लब दिल्ली ने खिताब अपने नाम किया। विजेता टीम को 31 हजार रुपये की राशि पुरस्कार स्वरूप दी गई। जबकि उपविजेता को 21 हजार का इनाम मिला।

बहादुरगढ़। कंपनी का भ्रमण करने पहुंचे सैनिक स्कूल के विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

विद्यार्थियों ने कंपनी में देखी उत्पादन प्रक्रिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

सैनिक पब्लिक स्कूल की तीसरी व आठवीं कक्षा के छात्रों के लिए एक शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया। सभी विद्यार्थी याकुल्ट कंपनी के प्लांट में पहुंचे और प्रोबायोटिक पेय के निर्माण की प्रक्रिया को समझा। विद्यार्थियों ने आधुनिक मशीनों से युक्त उत्पादन इकाई को देखा। बॉटलिंग से लेकर पैकिंग तक की पूरी प्रक्रिया समझी। प्रधानाचार्य बीएल भारद्वाज ने कहा कि व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना भी जरूरी है। ऐसे शैक्षिक भ्रमण से बच्चों को वास्तविक जीवन की प्रक्रियाओं को समझने का अवसर मिलता है। सीखने के प्रति उनका दृष्टिकोण अधिक सकारात्मक बनता है। सभी छात्रों को याकुल्ट प्रोबायोटिक ड्रिंक भी पिलाई गई।

डीसी ने गिरदावरी कार्य का निरीक्षण किया

अधिकारियों को चेतावनी इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने रविवार को एसडीएम अभिनव सिवाच के साथ बहादुरगढ़ क्षेत्र के गांव डाबोदा खुर्द, मेहंदीपुर डाबोदा और कसार गांवों का दौरा कर खेतों में चल रही रबी फसल की गिरदावरी प्रक्रिया का निरीक्षण किया। फसलों की स्थिति का जायजा लेते हुए राजस्व विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की।

उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को गिरदावरी कार्य पारदर्शी व सटीक ढंग से करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि गिरदावरी का कार्य पूरी जिम्मेदारी और निष्पक्षता के साथ किया जाए ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। डीसी ने ग्रामीणों से बातचीत कर फसलों की स्थिति और उनकी समस्याओं की भी जानकारी ली। इस अवसर पर तहसीलदार सुदेश मेहरा, गांव कसार सरपंच टोनी, मेहंदीपुर डाबोदा सरपंच प्रतिनिधि संदीप तथा डाबोदा खुर्द से सरपंच मंजीत आदि उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़। गिरदावरी कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल।

झज्जर। होनहार जतिन जाखड़ व उसके परिजनों को बधाई देते हुए डायरेक्टर रमेश गुलिया। फोटो: हरिभूमि

एचडी साल्हावास विद्यालय में होनहार जतिन जाखड़ को किया सम्मानित

झज्जर। यूपीएससी के घोषित परिणामों में एचडी स्कूल के पूर्व छात्र साल्हावास निवासी जतिन कुमार जाखड़ ने 191वीं रैंक प्राप्त कर संस्थान और जिले का नाम रोशन किया है। इस उपलब्धि पर एचडी ग्रुप के डायरेक्टर रमेश गुलिया ने खुशी जताते हुए होनहार जतिन व उसके परिजनों को बधाई दी। उन्होंने बताया कि जतिन शुरू से ही विलक्षण प्रतिभा के धनी रहे हैं। उनकी सफलता पर पूरे एचडी परिवार को गर्व है। एक साधारण किसान परिवार में जन्मे जतिन जाखड़ पुत्र दीपक जाखड़ ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया है। उनके दादा रणसिंह जाखड़ सेना में हवलदार के पद से सेवानिवृत्त हैं जिनकी प्रेरणा से जतिन ने यह सफलता हासिल की है। जतिन का यह पांचवां प्रयास रहा। लगातार असफलताओं के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और अपने लक्ष्य को पाने के लिए लगातार मेहनत करते रहे। इस मौके पर एचडी ग्रुप के सचिव विशाल नेहरा, हेमंत गुलिया व प्राचार्य सतबीर सिंह ने भी जतिन को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शिविर में 12 महिलाओं समेत 60 ने किया रक्तदान

वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय में हुआ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय में रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में जिला रेडक्रॉस सोसाइटी, सिविल अस्पताल झज्जर, ह्यूमन एंड नेचुरल एनवायरनमेंटल सोसाइटी तथा संघर्षशील जन कल्याण समिति के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

बहादुरगढ़। महिला रक्तदाता को प्रोत्साहित करती कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. आशा शर्मा व अन्य।

शिविर में 12 महिलाओं समेत 60 लोगों द्वारा रक्तदान किया गया। रक्तदान करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

रविवार को लगे इस शिविर में कुल 103 लोगों ने जांच कराई तथा 60 यूनिट रक्त संचय किया गया। महाविद्यालय की तरफ से सुरेश अग्रवाल, गजानंद गर्ग, मुकेश मित्तल, सुशील अग्रवाल व मनोज गुप्ता ने रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किया। रक्त संचय कर रही टीम ने रक्तदान करने के फायदे भी गिनाए।

चेयरपर्सन सरोज राठी ने कहा कि समाजसेवा और मानवता की भावना सर्वोपरी है। प्रोफेसर सीमा दलाल ने कहा कि एक यूनिट रक्त से तीन लोगों की जान बचाई जा सकती है। प्रोत्साहित करना हम सभी का कर्तव्य है।

प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा ने सभी अतिथियों का पौधा देकर स्वागत किया। कार्यक्रम में गीता डेरोलिया, मेजर सुधीर राठी, मनीष कुमार, संजय सांखोल, डॉ. नवदीप, ममता, कविता, सत्येंद्र दहिया, जय, अमित, रामकरण, आनंद, कोमल, संदीप और सुनीता आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जरूरतमंद परिवारों में बुल्लड़ पहलवान ने बांटी मिठाई

बहादुरगढ़। समाजसेवी वीरेंद्र उर्फ बुल्लड़ पहलवान ने अपनी वर्षों पुरानी परंपरा को निभाते हुए इस बार भी जरूरतमंद परिवारों में मिठाई के साथ अन्य सामग्री वितरित की। उन्होंने झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले परिवारों, गाड़िया लुहार समुदाय तथा सेक्टर-6 स्थित उमंग जगन्नाथ आश्रम में रहने वाले आश्रित व जरूरतमंद बच्चों को रंग के साथ मिठाई वितरित की। बुल्लड़ पहलवान अपने परिवार और मित्रों के साथ शहर की झुग्गी-झोपड़ियों में पहुंचे और वहां रहने वाले लोगों व बच्चों को रंग व मिठाई भेंट की। सेक्टर-6 स्थित उमंग जगन्नाथ आश्रम में भी पहुंचकर आश्रम के स्टाफ को वहां रहने वाले बच्चों के लिए होली से संबंधित सामग्री भेंट की। बुल्लड़ पहलवान ने कहा कि समाज के सक्षम और साधन-संपन्न परिवारों को भी ऐसे अवसरों पर जरूरतमंद लोगों की खुशियों में शामिल होना चाहिए। मौके पर बिजेंद्र लुखड़, दीपक, सशांक, हर्ष, सागर, प्रियांशु, राहुल, साहिल, जतिन, गोलू, अभिषेक, यश, प्रतिभा, सोनू, अवनी, रिद्धम, नीलम व सोनिया आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। जरूरतमंद बच्चों में मिठाई व अन्य सामग्री बांटते बुल्लड़ व उनके साथी। फोटो: हरिभूमि

जन्मदिन पर कन्या गुरुकुल में दान की गाय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

आर्य समाज सेक्टर-6 और प्रेम नगर बहादुरगढ़ के संरक्षक वयोवृद्ध आर्य ब्रह्मजीत ने लोवा कलां गांव स्थित कन्या गुरुकुल में परिजनों, छात्राओं व आर्य समाजियों के साथ हवन करके अपना 85वां जन्मदिन मनाया। साथ ही गुरुकुल की गोशाला में एक गाय भी दान स्वरूप भेंट की।

बहादुरगढ़। हवन में आहुति डालते आर्य ब्रह्मजीत व अन्य। फोटो: हरिभूमि

गुरुकुल की प्राचार्या डॉ राजन मान, आचार्या विद्यावती, अन्नु आर्या, प्रीति आर्या, प्रतिभा आर्या, मूर्ति आर्या व गुरुकुल की सभी ब्रह्मचारिणियों ने हवन में भाग लिया। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी लक्ष्मी आर्या, उनकी बहन नारायणी देवी, पुत्र कर्नल देवव्रत आर्य पुत्रवधू डॉ. रीता आर्या, पुत्री सोमप्रभा, इंदू आर्या, प्रतिभा आर्या व दामाद रमेश कुमार, ब्रिगेडियर सत्यवीर सोलंकी व पौत्री लक्षिता के अलावा आर्य हरिओउम दलाल, रूक्मेश आर्या, कोशल्या आर्या, सत्या आर्या, अंजू आर्या, नन्हों आर्या, सुदेश आर्या, अंजु अग्रवाल, दलबीर आर्य, संजय मलिक, संतलाल मलिक, हरस्वरुप रुहिल, राजबीर मलिक, कैप्टन मान सिंह, मास्टर सतपाल दहिया, सत्यमुनी वशिष्ट, सेवा सिंह, नवनीत, कुलदीप, रामचंद्र रूहिल, खेमचंद आर्य, सेवा सिंह आर्य, कर्नल राजेंद्र सहरावत, राजपाल छिल्लर, धनराज तहलान, ऋषि कुमार हुड्डा, जयपाल दहिया, रविंद्र आर्य, विजेंद्र खोखर, अशोक छिकारा, अशोक जून व यशवीर आदि मौजूद रहे।

ब्रह्माकुमारियों ने समाज निर्माण में महिलाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला

त्याग, तपस्या व सेवा की प्रतिमूर्ति हैं महिलाएं : बीके विनीता

सेक्टर-2 स्थित सेवाकेंद्र पर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बहादुरगढ़

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सेक्टर-2 स्थित सेवाकेंद्र पर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। इसके अलावा अग्रवाल कॉलोनी, सेक्टर-13, नई बस्ती, ओमेक्स, सेक्टर-9 सेवाकेंद्रों पर भी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस धूमधाम से मनाया गया। समारोह में अलग-अलग कार्यक्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभा रही डॉक्टर्स, सफल बिजनेस वूमेन, शिक्षिकाओं आदि ने भाग लिया।

सेवाकेंद्र संचालिका बीके विनीता दीदी ने सभी का अभिनंदन करते हुए कहा कि आज की नारी न केवल घर संभाल रही है, बल्कि व्यावसायिक जगत में भी अपनी बुद्धिमत्ता और कर्मठता का लोहा मनवा रही है। उनके अनुसार महिलाओं में सेवाभाव, त्याग और तपस्या के गुण जन्मजात होते हैं। महिलाएं परिवार को संभालते हुए घर को स्वर्ग जैसा बना देती हैं। महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी योग्यता सिद्ध कर रही हैं, लेकिन उनकी आध्यात्मिक शक्ति ही समाज को नई दिशा दे सकती है। बहादुरगढ़ की मुख्य संचालिका बीके अंजलि दीदी ने कहा कि परमात्मा ने इस धरा पर आकर ज्ञान के दिव्य कलश को माताओं के सिर पर रखा। संस्था की वरिष्ठ राजयोगिनी दादी-दीदीयों के जीवन से हमें त्याग और सेवा की अनूठी शिक्षा मिलती है। बीके रेणू दीदी, बीके अमृता दीदी, बीके दीपा, बीके रूबी दीदी, बीके प्रीति व बीके ममता दीदी ने भी महिलाओं से अपने घरों में आध्यात्मिक मूल्यों को अपनाने के साथ ही प्रेम व एकता से उसे स्वर्ग बनाने का आह्वान किया। राजयोग के गहन अभ्यास और आध्यात्मिक मार्गदर्शन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं के साथ ब्रह्माकुमारियां। फोटो: हरिभूमि